ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 02-01-2026

उधम सिंह नगर(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2026-01-02 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2026-01-03	2026-01-04	2026-01-05	2026-01-06	2026-01-07
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	19.0	19.0	19.0	20.0	20.0
न्यूनतम तापमान(से.)	9.0	9.0	9.0	10.0	10.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	72	73	74	74	76
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	45	40	47	42	43
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	5	5	4	6	5
पवन दिशा (डिग्री)	340	300	10	300	290
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	2	1	1	1
चेतावनी	कोहरा	कोहरा	कोहरा	कोहरा	कोहरा

पूर्वानुमान सारांश:

पिछले सात दिनों (26 दिसंबर से 1 जनवरी) में कोई बारिश नहीं रही, और अधिकतम तथा न्यूनतम तापमान 13.4 से 19.5 डिग्री सेल्सियस और 4.5 से 10.9 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। पिछले हफ्ते ज़्यादातर दिनों में घना कोहरा और ठंड रही। सुबह 0712 बजे सापेक्षित आद्रता 83 से 100% के बीच रही और शाम 1412 बजे सापेक्षित आद्रता 63 से 90% के बीच रही। हवा की गति 1.0 से 3.9 किलोमीटर प्रति घंटा थी और हवा की दिशा ज़्यादातर पश्चिम-उत्तर-पश्चिम, दक्षिण-दक्षिण-पश्चिम, पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम और पूर्व थी। अगले 5 दिनों के पूर्वानुमान में बारिश नहीं होने की संभावना है, लेकिन 2 से 6 जनवरी तक घने कोहरे और ठंड के दिन रहने की उम्मीद है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 19.0-20.0 डिग्री सेल्सियस और 9.0-10.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की उम्मीद है। हवा 4-6 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उत्तर-उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पश्चिम-पश्चिम और पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में चलने की उम्मीद है। अगले हफ्ते 2 से 6 जनवरी के दौरान कुछ जगहों पर घना कोहरा और ठंड की स्थिति रहने की संभावना है, जिसके लिए पीली चेतावनी जारी की गयी है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

आने वाले हफ़्ते में घने कोहरे की संभावना को देखते हुए पीला अलर्ट जारी किया गया है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

फसल को ठंड से नुकसान हो सकता है, इसलिए तापमान को नियंत्रित करने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। खासकर आलू की फसल में बीमारी/कीड़े लग सकते हैं। इन बीमारियों की निगरानी करें और जब मौसम साफ हो और दोपहर के समय पत्तियां सूखी हों, तब रासायनिक नियंत्रण का इस्तेमाल करें।

सामान्य सलाहकार:

मौसम का पूर्वानुमान और कृषि-मौसम संबंधी सलाह "मेघदूत ऐप" पर नियमित रूप से अपडेट की जाती है और बिजली गिरने की जानकारी पाने के लिए "दामिनी ऐप" भी उपलब्ध है। मेघदूत और दामिनी ऐप को गूगल प्ले स्टोर (एंड्रॉइड यूज़र्स) और एप्प सेंटर (आईओएस यूज़र्स) से डाउनलोड किया जा सकता है। विस्तारित रेंज पूर्वानुमान प्रणाली बड़े पैमाने पर कम बारिश, सामान्य अधिकतम और सामान्य से कम न्यूनतम तापमान का रुझान दिखाती है।

लघु संदेश सलाहकार:

आईएमडी के अनुसार, आने वाले हफ़्ते में घना कोहरा छाने की संभावना है, इसलिए फसलों को ठंड से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
चना	फूल आने और फली बनने के समय ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए। फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। चना/मसूर में, अगर महू का हमला हो तो चिपचिपे जाल जैसे बताए गए रासायनिक तथा जैविक नियंत्रण के तरीकों को अपनाना चाहिए।
मसूर की दाल	फूल आने और फली बनने के समय ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए। फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। चना/मसूर में, अगर महू का हमला हो तो चिपचिपे जाल जैसे बताए गए रासायनिक तथा जैविक नियंत्रण के तरीकों को अपनाना चाहिए। रासायनिक नियंत्रण तरीकें तब करने चाहिए जब पत्तियां सूखी हों।
रेपसीड	महू कीट को नियंत्रित करने के लिए, जब कीट आर्थिक सीमा स्तर (10-15 पौधों के तने की 10 सेमि ऊपरी शाखा पर 26-28 महू) से ज़्यादा पाए जाएं, तो डाइमेथोएट 30 इसी 500 मिलीलीटर या थायमेथोक्साम 25 डब्लूजी 100 ग्राम को 600-700 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें। फसल पकने पर कटाई कर लेनी चाहिए और फूल आने/फली बनने की स्थिति पर सिंचाई करनी चाहिए। सभी रासायनिक नियंत्रण का इस्तेमाल दोपहर के समय करना चाहिए जब पत्तियां सूखी हों।
सरसों	महू कीट को नियंत्रित करने के लिए, जब कीट आर्थिक सीमा स्तर (10-15 पौधों के तने की 10 सेमि ऊपरी शाखा पर 26-28 महू) से ज़्यादा पाए जाएं, तो डाइमेथोएट 30 इसी 500 मिलीलीटर या थायमेथोक्साम 25 डब्लूजी 100 ग्राम को 600-700 लीटर पानी में मिलाकर प्रति हेक्टेयर 10 दिन के अंतराल पर छिड़काव करें। फसल पकने पर कटाई कर लेनी चाहिए और फूल आने/फली बनने की स्थिति पर सिंचाई करनी चाहिए। सभी रासायनिक नियंत्रण का इस्तेमाल दोपहर के समय करना चाहिए जब पत्तियां सूखी हों।
गेहूँ	देर से बोई गई फसल में खरपतवार उगने पर या तो हाथ से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए या रासायनिक छिड़काव का इस्तेमाल करना चाहिए। चौड़ी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए 2,4-डी 500g या मेटसल्फ्यूरॉन मिथाइल 4 ग्राम को 30-35 या 35-40 दिन बुवाई के बाद पर लगाना चाहिए जबकि संकरी पत्ती वाले खरपतवारों के लिए आइसोप्रोट्यूरॉन 1 किलोग्राम/ सल्फोसल्फ्यूरॉन 25 ग्राम / क्लोडिनाफॉप 60 ग्राम का छिड़काव 30-35 दिन बुवाई के बाद के अंतराल पर किया जा सकता है। ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए। सभी रासायनिक नियंत्रण का इस्तेमाल दोपहर के समय करना चाहिए जब पत्तियां सूखी हों।
जौ	देर से बोई गई फसल की निगरानी करनी चाहिए और 25-30 दिनों के अंतराल पर निराई-गुड़ाई करनी चाहिए। ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए।
गन्ना	पड़ी और पतझड़ वाली गन्ने की फसल की निगरानी की जानी चाहिए और उचित खेती के तरीके अपनाए जाने चाहिए। तापमान बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी में हल्की सिंचाई करनी चाहिए। पत्तों पर धब्बे की बीमारी को नियंत्रित करने के लिए गोभी वाली फसलों में मैनकोजेब 75 डब्लूपी का 2-3 बार छिड़काव करना चाहिए। रासायनिक छिड़काव तब करना चाहिए जब पत्ते सूखे हों।
प्याज	प्याज की फसल की रोपाई जनवरी के पहले सप्ताह तक खाद वाले खेतों में पूरी कर लेनी चाहिए।
सब्जी पीईए	फूल आने और फली बनने के समय ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए। फसलों में नियमित रूप से निराई-गुड़ाई करनी चाहिए और ज़रूरत के हिसाब से सिंचाई करनी चाहिए।

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
टमाटर	फसलों की बीमारी फैलाने वाले कीड़ों के लिए नियमित रूप से जांच की जानी चाहिए और बताए गए तरीकों से उन्हें नियंत्रित किया जाना चाहिए। सभी रासायनिक छिड़काव दोपहर के समय करना चाहिए जब पत्तियां सूखी हों।
मिर्च	फसलों की बीमारी फैलाने वाले कीड़ों के लिए नियमित रूप से जांच की जानी चाहिए और बताए गए तरीकों से उन्हें नियंत्रित किया जाना चाहिए। सभी रासायनिक छिड़काव दोपहर के समय करना चाहिए जब पत्तियां सूखी हों।
आलू	आलू में पछेती झुलसा की बीमारी को नियंत्रित करने के लिए, सलाह दी जाती है कि मैनकोज़ेब 2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के घोल का छिड़काव किया जाना चाहिए। तापमान को नियंत्रित करने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए। सेब फसल में बीमारी लगने

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भेंस	जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, उनके खाने में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। जानवरों को अजवाइन और गुड़ भी देना चाहिए। जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, पशुशाला का उचित इंतज़ाम करना चाहिए। जानवरों को रिंडरपेस्ट बीमारी (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण करवाना चाहिए। ज़्यादा ऊर्जा की ज़रूरत के लिए जानवरों का चारा 10 प्रतिशत बढ़ा देना चाहिए।
गाय	जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, उनके खाने में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। जानवरों को अजवाइन और गुड़ भी देना चाहिए। जानवरों को ठंड से बचाने के लिए, पशुशाला का उचित इंतज़ाम करना चाहिए। जानवरों को रिंडरपेस्ट बीमारी (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण करवाना चाहिए। ज़्यादा ऊर्जा की ज़रूरत के लिए जानवरों का चारा 10 प्रतिशत बढ़ा देना चाहिए।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

कोहरे के कारण ठंड से नुकसान और फसलों में बीमारी/कीटों को नियंत्रित करने के लिए रासायनिक छिड़काव में रुकावटें। मौसम फसलों में बीमारी/कीट लगने के लिए अनुकूल है।

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

ठंड से होने वाले नुकसान से बचने के लिए हल्की सिंचाई करनी चाहिए और बीमारी/कीड़ों से बचाव के लिए रासायनिक छिड़काव दोपहर के समय करना चाहिए जब पत्तियां सूखी हों।

Farmers are advised to download Unified ﷺ and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightening.

Mausam MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details/

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details